जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

17 फरवरी, 2025

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने 'समावेश की भावना' को बढ़ावा देने के लिए हाशिए के समुदायों के बच्चों के लिए खेल एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन किया

नई दिल्ली : जामिया मिल्लिया इस्लामिया के सामाजिक कार्य विभाग ने दिनांक 16 फरवरी, 2025 को वार्षिक अंतर एजेंसी खेल और सांस्कृतिक प्रतियोगिता की मेजबानी की। डॉ. जाकिर हुसैन की जयंती के साथ यह प्रतियोगिता जुड़ी हुई है जो एक दूरदर्शी नेता, प्रख्यात शिक्षाविद्, भारत के पूर्व राष्ट्रपति और जामिया मिल्लिया इस्लामिया के कुलपति के रूप में उनकी विरासत को याद करता है और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता है। पूरी दिल्ली के विभिन्न गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) से जुड़े 10 से 14 वर्ष की आयु के कुल 302 बच्चों (185 लड़कियां और 117 लड़के) ने प्रतियोगिता के दौरान विभिन्न खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लिया।

1970 के दशक की शुरुआत से यह आयोजन वार्षिक तौर पर किया जाता है जो ऐतिहासिक रूप से डॉ. जाकिर हुसैन मेमोरियल सोसाइटी से संबंधित है और जिसका गठन तत्कालीन स्कूल ऑफ सोशल वर्क, जामिया मिल्लिया इस्लामिया द्वारा किया गया था । यह समुदायों को प्रेरित और एकजुट करता है जिससे सभी के लिए अवसर सुलभ होते हैं। इस कार्यक्रम के माध्यम से, बच्चों को एम.ए. सोशल वर्क -प्रथम वर्ष के छात्रों द्वारा मार्गदर्शन दिया जाता है, जिन्हें उनके फील्ड प्रैक्टिकम के हिस्से के रूप में विभिन्न गैर सरकारी संगठनों में रखा जाता है। यह कार्यक्रम न केवल प्रतिभा का जश्न मनाता है अपितु आत्मविश्वास, रचनात्मकता, टीमवर्क और आशा का पोषण भी करता है जिससे बच्चों को खुद को अभिव्यक्त करने तथा अपनी क्षमता का एहसास करने का अवसर मिलता है।

खेल कार्यक्रम जामिया स्कूल ग्राउंड में आयोजित किए गए जबकि सांस्कृतिक कार्यक्रम जामिया सीनियर सेकेंडरी स्कूल के मल्टीपर्पज हॉल में आयोजित किए गए । टीमवर्क और सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से समूह कार्य को खेल आयोजनों में के रूप में शामिल किया गया था। बाधा दौड़ भी अनूठी थी जिसमें अत्यधिक समन्वय और सतर्कता की जरूरत थी। सैक रेस तीसरा खेल आयोजन था जिसमें लड़के और लड़कियों, दोनों ने भाग लिया।

बच्चों को अपनी छिपी प्रतिभा दिखाने के सांस्कृतिक कार्यक्रम एक मंच स्वरूप बन गया । इस वर्ष कुल 33 प्रदर्शन प्रस्तुत किए गए, जिसमें नृत्य, स्किट, माइम और इन रचनात्मक अभिव्यक्तियों का मिश्रण दिखाया गया। प्रदर्शनों ने बेरोजगारी, प्लास्टिक प्रदूषण, बाल विवाह, शराबखोरी, घरेलू हिंसा और लड़कियों की शिक्षा जैसे कुछ प्रासंगिक सामाजिक मुद्दों पर रोशनी डाली । बच्चों के जीवन को प्रभावित करने वाले मुद्दों के प्रदर्शन को देखकर दर्शक मंत्रमुग्ध एवं भावुक हो गए।

इस अवसर पर कुलपति के विशेष कार्याधिकारी डॉ. सत्य प्रकाश प्रसाद के साथ-साथ अन्य प्रेरक व्यक्तित्व भी उपस्थित थे, जिनमें पैरा-शूटर सुश्री पूजा अग्रवाल, पैरा-बैडमिंटन खिलाड़ी श्री मुन्ना खालिद और जामिया के सामाजिक कार्य विभाग की पूर्व छात्रा तथा जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट), आर.के. पुरम, नई दिल्ली की सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉ. शारदा कुमारी शामिल थीं। डॉ. सत्य प्रकाश ने दर्शकों को संबोधित करते हुए एक सांस्कृतिक प्रदर्शन का उदाहरण दिया और जागरूकता बढ़ाने में रचनात्मक अभिव्यक्ति के महत्व पर बल दिया। कई विश्व कप पदक विजेता सुश्री पूजा अग्रवाल ने प्रतिभागियों को जीवन में अचानक आने वाली चुनौतियों से उबरने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बच्चों की छिपी प्रतिभाओं को पहचानने के लिए आत्म-अन्वेषण की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, "आप ही हैं जो अपनी आंतरिक रचनात्मकता को खोज सकते हैं।"

यह पहल सामाजिक सशक्तिकरण के लिए जामिया की व्यापक प्रतिबद्धता का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है जो देश के शैक्षिक परिदृश्य में हाशिए के समुदायों की पूर्ण भागीदारी को प्रोत्साहित करती है। बच्चों के लिए यह आयोजन एक दिवसीय प्रतिस्पर्धा से कहीं बढ़कर है-- यह सामाजिक-आर्थिक बाधाओं को दूर करने और विश्वविद्यालय के सशक्त और परिवर्तनकारी माहौल का अनुभव करने के अवसर का प्रतीक है। यह आयोजन बच्चों को एक-दूसरे से बातचीत करने, विभिन्न संस्कृतियों से रूबरू होने और अपनी मान्यताओं को चुनौती देने का अवसर भी प्रदान करता है।

इस वर्ष के अंतर एजेंसी खेल और सांस्कृतिक प्रतियोगिता की संयोजक डॉ. आसिया नसरीन ने इस आयोजन के बारे में एक संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें उन्होंने कहा कि लड़कियों की अधिक भागीदारी 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान का प्रतीक है। विभागाध्यक्ष प्रो. नीलम सुखरामानी के मार्गदर्शन में जामिया मिल्लिया इस्लामिया के पूरे सामाजिक कार्य विभाग ने यह सुनिश्चित करने के लिए एक टीम के रूप में कार्य किया कि बच्चों को सार्थक अनुभव मिले। अपने संबोधन में प्रो. नीलम सुखरामानी ने प्रत्येक बच्चे के गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अधिकार पर बल दिया। उन्होंने कहा कि हर बच्चे को विश्वविद्यालय शिक्षा का अधिकार है और इस आयोजन द्वारा प्रदान की गई विश्वविद्यालय संस्कृति से परिचित होने से शिक्षा की ऊर्जा को आत्मसात करने में सहायता मिलती है।

प्रतिभागियों एवं विजेताओं को ट्रॉफी और पुरस्कार वितरित किए गए। हालांकि, इस आयोजन की गैर-प्रतिस्पर्धात्मक भावना को ध्यान में रखते हुए, प्रत्येक प्रतिभागी को उनके प्रयासों तथा सीखने के उत्साह के लिए पुरस्कार प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम को मदर डेयरी फ्रूट्स एंड वेजिटेबल्स प्राइवेट लिमिटेड, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड जैसे प्रतिष्ठित संगठनों सहित जामिया मिल्लिया इस्लामिया के सामाजिक कार्य विभाग के पूर्व छात्रों और अन्य जन-हितैषी व्यक्तियों द्वारा प्रायोजित किया गया था।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया